❑कालीबंगा (हनुमानगढ़)-

- सर्वप्रथम खोज: सन् 1952 में श्री अमलानंद घोष द्वारा।
- उत्खनन: बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर द्वारा 1961 से 1969 तक।
- स्थितिः हनुमानगढ़ जिले में प्राचीन सरस्वती (वर्तमान घग्घर) नदी के तट पर।
- यहाँ पूर्व हड़प्पा कालीन सभ्यता (2400 ई. पूर्व) एवं हड़प्पा कालीन सभ्यता [2350-1750 वर्ष ई. पूर्व (कार्बन डेटिंग पद्धति के अनुसार)। के अवशेष मिले हैं। यह एक नगर प्रधान सभ्यता थी।
- मकान कच्ची एवं पक्की ईंटों (30×20×10 सेमी. के आकार की) के बनाये गए थे।
- गंदे पानी के निकास हेतु पक्की ईंटों की नालियाँ एवं शोषण पात्रों का प्रयोग।
- कालीबंगा में प्राप्त चूल्हे वर्तमान तंदूर के समान थे।
- यहाँ की बस्ती एक सुरक्षात्मक दीवार (परकोटे) से सुरक्षित की गई थी। यह उत्तर से दक्षिण 250 मी. लम्बी तथा पूर्व से पश्चिम 180 मी. की थी।
- परकोटे के बाहर विश्व में एक जुते हुए खेत का प्राचीनतम (पहला) प्रमाण मिले है।
- कालीबंगा निवासी शव को गाड़ते थे। यहाँ एक कब्र मिली है।
- मोहनजोदड़ो हड़प्पा की भांति मातृशक्ति एवं लिंग आदि मूर्तियाँ यहां नहीं मिली।

Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN

❑आहड़ (उदयपुर)-

प्राचीन नामः ताम्रवती नगरी, आघाटपुर, आघाटदुर्ग (बनास संस्कृति)

• बनास की सहायक नदी बेड़च के किनारे आहड़ गाँव के एक ऊँचे टीले धूलकोट का उत्खनन।

• उत्खननः सर्वप्रथम 1954 ई. आर.सी. अग्रवाल व तत्पश्चात् 1961-62 में वी.एन. मिश्रा एवं एच.डी. सांकलिया द्वारा 11800 ई.पू. से 1200 ई.पू. की ताम्रयुगीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त।

• मकानों में एक से अधिक चूल्हे प्राप्त हुए हैं, जो बड़े परिवार या सामूहिक भोजन व्यवस्था

• के प्रतीक है। मातृदेवी एवं बैल की मृण्मूर्ति प्राप्त ।

• प्रमुख उद्योग- ताँबा गलाना व उसके उपकरण बनाना। एक घर में ताँबा गलाने की भट्टी प्राप्त।

• यहाँ ताँबे की खदानें भी मिली हैं। ताँबे का निष्कर्षण यहीं करते थे।

• यहाँ प्राप्त अनाज रखने के बड़े भाण्डों को बंकोर, कोठे या गोरे कहते थे।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑गिलूण्ड (राजसमंद)

• बनास नदी के पास गिलूण्ड में ताम्रयुगीन सभ्यता एवं बाद के अवशेष मिले हैं।

❑बागोर (भीलवाड़ा)

• कोठारी नदी के पास इस कस्बे के टीले का उत्खनन 1967-69 में डॉ. वी.एन. मिश्र व डॉ. एल. एस. लैशनि द्वारा करवाया गया। मध्य पाषाण कालीन संस्कृति के अवशेष प्राप्त ।

❑बालाथल (उदयपुर)

• उत्खनन 1993 में। ताम्र पाषाण युगीन सभ्यता (3000 ई. पू. से 2500 ई. पू. तक)।

❑रंगमहल (हनुमानगढ़)

• रंगमहल घग्घर नदी के पास स्थित है। डॉ. हन्नारिड़ के निर्देशन में 1952-54 ई. में खुदाई।

• कुषाणकालीन एवं पूर्व गुप्तकालीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त मृण्मूर्तियाँ गाँधार शैली की हैं।

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑बैराठ (कोटपूतली-बहरोड़)

• प्राचीन मत्स्य जनपद की राजधानी विराट नगर में बीजक की पहाड़ी, भीमजी की डूंगरी व महादेव जी डूंगरी आदि स्थानों में प्रथम बार उत्खनन कार्य दयाराम साहनी द्वारा 1936-37 ई. में।

• उत्खनन में मौर्यकालीन व उससे पूर्व की सभ्यताओं के अवशेष प्राप्त। बीजक की पहाड़ी से अशोक कालीन गोल बौद्ध मंदिर व बौद्ध मठ के अवशेष मिले है जो हीनयान सम्प्रदाय से संबंधित है।

• यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व पशुपालन था। खाद्यान्न में गेहूँ व चावल का प्रयोग।

• सूती कपड़े में बँधी मुद्राएँ व पंचमार्क सिक्के मिले हैं।

राजस्थान क्लासेज

❑नगरी (मध्यमिका) (चित्तौड़गढ़)

• उत्खनन सर्वप्रथम 1904 में डॉ. भण्डारकर द्वारा। यहाँ शिवि जनपद के सिक्के एवं गुप्तकालीन कला के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑नोह (भरतपुर)

• चित्रित सलेटी रंग एवं गैरू रंग के पात्रों के अवशेष प्राप्त।

❑गणेश्वर(नीम का थाना)

• काँतली नदी के किनारे एक टीले पर उत्खनन कार्य ।

• उत्खनन पूर्व हड़प्पा कालीन में ताम्रयुगीन उपकरण कुल्हाड़े आदि बड़ी मात्रा में मिले है। भारत में किसी स्थान पर एक साथ इतने उपकरण प्रथम बार मिले हैं।

• ताम्रयुगीन सभ्यता के अवशेष जो 2800 ई.पू. में विकसित हुई।

• ताम्रयुगीन संस्कृतियों में सबसे प्राचीन सभ्यता।

❑जोधपुरा (जयपुर ग्रामीण)

• शुंग एवं कुषाण कालीन सभ्यता के अवशेष तथा लौह उपकरण बनाने की भट्टिया प्राप्त ।

❑सुनारी (खेतड़ी-नीम का थाना)

• लोहे के अयस्क से लोहा बनाने की प्राचीनतम भट्टी प्राप्त। लोहे के शस्त्र व बर्तन भी प्राप्त ।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

❑तिलवाड़ा (बाड़मेर)

• लूनी नदी के किनारे स्थित। उत्खनन से ई.पू. 500 से 200 ईस्वी तक के अवशेष प्राप्त ।

❑रेढ़ (टोंक)

• पूर्व गुप्तकालीन लौहे सामग्री का विशाल भंडार प्राप्त। प्राचीन भारत का टाटा नगर के नाम से प्रसिद्ध ।

❑नगर (टोंक)

• उणियारा (टोंक) के पास स्थित । प्राचीन नाम 'मालव नगर' । बड़ी संख्या में मालव सिक्के व आहत मुद्राएँ प्राप्त।

राजस्थान सामान्य ज्ञान
वन लाइनर प्रश्न-उत्तर
500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
लाइव क्लास की सभी पीडीएफ
फ्री डाउनलोड करें
क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

नवीनतम राजस्थान GK
(टॉपिक वाइज नोट्स)
Free PDF
Click Here
RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज
By - Aadarsh Sir

लाइव क्लासेज यहां से देखें

Click Here

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें

Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी

Click Here